Padma Bhushan



Dr. Ambrish Mithal

Dr. Ambrish Mithal is the Chairman, Endocrinology and Diabetes Division, Medanta the Medicity, where he has established one of India's premier endocrine centres. He has made pioneering contribution to the development of the speciality of endocrinology in India in all its aspects- academic, clinical and social- and has played a key role in placing Indian endocrinology on the global map.

2. Born on March 29, 1958, Dr. Mithal completed his undergraduate medical studies in Kanpur, UP, and was the first DM in Endocrinology from the All India Institute of Medical Sciences (1987). Subsequently he worked on the faculty of Sanjay Gandhi PGIMS, Lucknow for more than a decade before moving to Indraprastha Apollo hospital, and finally to his current position at Medanta the Medicity.

3. While at AIIMS, Dr. Mithal assisted in studies related to iodine deficiency, which paved the way for the universal salt iodation programme in India. Later, at SGPGIMS, he carried out seminal research on fluoride toxicity in Unnao, UP, which affects more than 60 million people in India. He was subsequently awarded the prestigious Fogarty fellowship to conduct research at Harvard Medical School (1993-94).

4. In 1997, Dr. Mithal established India's first bone density measurement system and osteoporosis service in SGPGIMS, Lucknow. He was the first Indian to be trained in bone density measurement, as a JICA fellow, in Japan. Dr. Mithal was the first to establish osteoporosis as a serious health problem in India that affects an estimated 50 million people, and among the first to establish the existence of widespread vitamin D deficiency in India. Presently he is leading in the initiative to fortify edible oil and milk with vitamin D to help tackle this epidemic, which affects more than 80 percent urban Indians. Dr. Mithal was the technical lead for the World Diabetes Foundation/ Jagran Pehel initiative on diabetes and pregnancy (15 percent of Indian women develop diabetes in pregnancy). He is also leading a nutrition and growth program for underprivileged children in two UP schools.

5. Dr. Mithal is the first Indian to serve on international bodies like the WHO Global Task force on Osteoporosis and Committee of Scientific Advisors, Asia Pacific Advisory Council and Board of Governance of the International Osteoporosis Foundation. In addition Dr. Mithal has been President of the Endocrine Society of India, Indian Society for Bone and Mineral Research (ISBMR), and Bone and Joint Decade. He is currently a member of the Governing Council of the Indian Council of Medical Research, Editor in Chief- Indian Journal of Endocrinology and Metabolism, and President of the Endocrine and Diabetes Foundation.

6. Dr. Ambrish Mithal is the first and only Indian to receive the "Boy Frame Award" of the American Society of Bone and Mineral Research, in 2004. He also received the International Osteoporosis Foundation Health Professional Awareness award (for ISBMR) in 2005. His paper on "Global Vitamin D Status" was awarded the Springer citation prize in 2013. He has received numerous awards from various Indian associations, including Doctor of the year (2005), "Distinguished contribution in the field of medicine", "Medical statesman of the year" and others.



डॉ. अम्बरीश मित्थल

डॉ. अम्बरीश मित्थल, एंडोक्रिनोलॉजी और डाइबिटीज़ डिविज़न, मेदांत द मेडिसिटी के अध्यक्ष हैं। यहां पर आपने एंडोक्रिन सेंटर स्थापित किया जो भारत के प्रमुख केन्द्रों में से है। आपने एंडोक्रिनोलॉजी की विशेषज्ञता के सभी पहलुओं यथा अकादमिक, क्लिनिकल और सोशल क्षेत्र में इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और वैश्विक नक्शे पर भारतीय एंडोक्रिनोलॉजी को स्थापित करने में मुख्य भूमिका निबाही है।

2. आपका जन्म मार्च 29, 1958 को हुआ। आपने पूर्व-स्नातक चिकित्सा की पढ़ाई कानपुर, उत्तर प्रदेश से पूरी की और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (1987) से आप एंडोक्रिनोलॉजी में पहले डी एम थे। इसके बाद आपने इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल ज्वॉइन करने से पहले संजय गांधी पी जी आई एम एस, लखनऊ के संकाय में एक दशक से अधिक समय तक कार्य किया और अंतत: आप मेदांत द मेडिसिटी में अपने वर्तमान पद पर हैं।

3. आयुर्विज्ञान संस्थान में आपने आयोडीन की कमी से संबंधित अध्ययन में सहायता की जिसने भारत में सार्वभौमिक साल्ट आयोडेशन प्रोग्राम का मार्ग प्रशस्त किया। बाद में एस जी पी जी आई एम एस में उन्नाव, उत्तर प्रदेश में आपने फ्ल्यूओराइड टॉक्सिटी पर सारगर्भित अनुसंधान किया। इससे भारत में 60 मिलियन से अधिक लोग पीड़ित हैं। इस पर आपको हार्वर्ड मेडिकल स्कूल (1993-94) में अनुसंधान कार्य करने के लिए प्रतिष्ठित फोगेर्टी फैलोशिप प्रदान की गई।

4. वर्ष, 1997 में एस जी पी जी आई एम एस, लखनऊ में आपने भारत में पहली बोन डेंसिटी मेजरमेंट सिस्टम और ओस्टियोपोरोसिस सर्विस स्थापित की। आप ऐसे पहले भारतीय थे, जिन्होंने जे आई सी ए फैलो के रूप में जापान में बोन डेंसिटी मेजरमेंट का प्रशिक्षण प्राप्त किया। आप ऐसे पहले डॉक्टर थे, जिन्होंने ओस्टियोपोरोसिस को भारत में स्वास्थ्य से संबंधित गंभीर समस्या माना जिससे लगभग 50 मिलियन लोग पीड़ित हैं और पहले ऐसे डॉक्टर हैं जिन्होंने यह स्थापित किया कि भारत में विटामिन 'डी' की कमी से प्रभावित लोगों की काफी संख्या है। इस समय आप खाद्य तेल और विटामिन 'डी' वाले दूध को उपलब्ध करवाने की पहल का नेतृत्व कर रहे हैं ताकि इस महामारी को रोका जा सके जिससे भारत के 80 प्रतिशत से अधिक शहरी लोग पीड़ित हैं। आपने डाइविटीज़ और गर्भावस्था (15 प्रतिशत भारतीय महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान डाइबिटीज़ होती है) के संबंध में वर्ल्ड डाइबिटीज़ फाउंडेशन/जागरण पहल का तकनीकी दृष्टि से नेतृत्व किया। आप उत्तर प्रदेश के दो विद्यालयों में साधनहीन बच्चों के लिए पोषण और विकास कार्यक्रम का भी नेतृत्व कर रहे हैं।

5. आप ऐसे पहले भारतीय हैं जिन्होंने डब्ल्यू एच ओ ग्लोबल टास्क फोर्स ऑन ओस्टियोपोरोसिस एंड कमेटी ऑव साइंटिफिक एडवाइज़र्स, एशिया पैसिफिक एडवाइज़री काउंसिल और बोर्ड ऑव गवर्नेंस ऑव द इंटरनेशनल ओस्टियोपोरोसिस फाउंडेशन जैसे अंतरराष्ट्रीय निकायों में कार्य किया। इसके अलावा आप एंडोक्रिन सोसाइटी ऑव इण्डिया, इण्डियन सोसाइटी फॉर बोन एंड मिनरल रिसर्च और बोन एंड जॉइंट डिकेड के अध्यक्ष रहे। इस समय आप गवर्निंग काउंसिल ऑव द इण्डियन काउंसिल ऑव मेडिकल रिसर्च के सदस्य, इण्डियन जर्नल ऑव एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबोलिज्म के मुख्य संपादक और एंडोक्रिन एंड डाइबिटीज़ फाउंडेशन के अध्यक्ष हैं।

6. आप ऐसे पहले और अकेले भारतीय हैं, जिन्हें वर्ष, 2004 में अमेरिकन सोसाइटी ऑव बोन एंड मिनरल रिसर्च का "बॉय फ्रेम अॅवॉर्ड" प्राप्त हुआ। आपको वर्ष, 2005 में इंटरनेशनल ओस्टियोपोरोसिस फांउडेशन हैल्थ प्रोफेशनल अवेयरनेस अॅवॉर्ड भी मिला। "ग्लोबल विटामिन डी स्टेटस" संबंधी आपके दस्तावेज को वर्ष, 2013 में स्प्रिंगर साइटेशन पुरस्कार प्राप्त हुआ। आपको विभिन्न भारतीय संघों से कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं जिनमें डॉक्टर ऑव द यीयर (2005), "डिस्टिंग्विस्ड कंट्रिब्यूशन इन द फील्ड ऑव मेडिसिन", "मेडिकल स्टेट्समैन ऑव द यीयर" और अन्य पुरस्कार शामिल हैं।